vinetur

जून में समाप्त वर्ष में न्यूज़ीलैंड का वाइन निर्यात 6% बढ़कर 306.2 मिलियन लीटर

निर्यात से कमाई NZ $2.108 अरब तक पहुंची। फसल 15% छोटी रहने के बावजूद उद्योग का यह दूसरा सबसे बड़ा सालाना नतीजा रहा।

शुक्रवार, 9 अक्टूबर 2026



न्यूज़ीलैंड के वाइन उद्योग ने जून 2026 में समाप्त 12 महीनों के दौरान निर्यात बढ़ाया, जबकि अंगूर उत्पादकों और वाइनरी को कमजोर मांग और अंगूर की छोटी फसल का सामना करना पड़ा।

New Zealand Winegrowers की ताज़ा सालाना रिपोर्ट के मुताबिक, निर्यात की मात्रा एक साल पहले के 288.8 मिलियन लीटर से बढ़कर 306.2 मिलियन लीटर हो गई। इन आंकड़ों के आधार पर वृद्धि करीब 6% रही, हालांकि उद्योग की प्रकाशित रिपोर्ट में इसे 8% बताया गया। निर्यात से कुल कमाई NZ $2.108 अरब रही।

New Zealand Winegrowers ने कहा कि जून में समाप्त वर्ष का नतीजा देश के अब तक के रिकॉर्ड में दूसरा सबसे बड़ा रहा। उद्योग संगठन ने यह भी कहा कि कई प्रमुख बाजारों में न्यूज़ीलैंड की वाइन ने वाइन की व्यापक श्रेणी से बेहतर

प्रदर्शन जारी रखा। इससे संकेत मिलता है कि कुल वाइन मांग पर दबाव बने रहने के बावजूद देश के उत्पादकों ने अपनी बाजार हिस्सेदारी बरकरार रखी।

निर्यात में यह बढ़ोतरी वाइन उत्पादकों के लिए मुश्किल दौर में हुई। उद्योग कई बाजारों में नरम मांग और उपभोक्ताओं के व्यवहार में बदलाव से जूझ रहा है, जिसका असर खरीद के रुझानों पर पड़ा है। इसके जवाब में अलग-अलग अंगूर उत्पादक और वाइनरी उत्पादन तथा कारोबारी योजनाओं में बदलाव कर रहे हैं।

आपूर्ति पक्ष पर भी कमी आई। New Zealand Winegrowers के मुताबिक, 2026 की विंटेज में करीब 440,000 टन अंगूर का उत्पादन हुआ, जो पिछले वर्ष से 15% कम था। संगठन ने कहा कि छोटी फसल से उत्पादन को बाजार की मांग के अधिक अनुरूप लाने में मदद मिल रही है।

निर्यात की मात्रा बढ़ने और फसल घटने का यह मेल ऐसे बाजार की ओर इशारा करता है जो सक्रिय तो है, लेकिन पिछले वर्षों की तुलना में अधिक सावधानी से संतुलित किया जा रहा है। उत्पादकों के लिए इसका मतलब अंगूर-बागों की पैदावार, भंडार के स्तर और बिक्री की योजना में अधिक अनुशासन हो सकता है। आयातकों और वितरकों सहित खरीदारों के लिए, ताज़ा आंकड़े इस आकलन को प्रभावित कर सकते हैं कि न्यूज़ीलैंड मूल्य निर्धारण और ब्रांड की स्थिति बनाए रखते हुए प्रमुख बाजारों को कितनी आपूर्ति कर सकता है।

wine.co.za पर प्रकाशित सामग्री में रिपोर्ट ने गंतव्य के अनुसार प्रदर्शन का ब्योरा नहीं दिया, लेकिन कहा कि कई अहम निर्यात बाजारों में न्यूज़ीलैंड की वाइन ने व्यापक श्रेणी से बेहतर प्रदर्शन जारी रखा। यह इसलिए अहम है क्योंकि कई वाइन उत्पादक देश वैश्विक मांग में सुस्ती, महंगाई के कारण उपभोक्ता खर्च पर दबाव और बदलती पसंद से जूझ रहे हैं। इनका असर न सिर्फ टेबल वाइन, बल्कि व्यापक पेय कारोबार में प्रतिस्पर्धा पर भी पड़ा है।

पेय क्षेत्र के लिए न्यूज़ीलैंड का निर्यात प्रदर्शन उन बाजारों में वाइन पोर्टफोलियो और खरीद योजनाओं से जुड़े प्रतिस्पर्धी फैसलों को प्रभावित कर सकता है, जहां खुदरा विक्रेता, थोक व्यापारी और आतिथ्य समूह कई मूल देशों से आपूर्ति पर विचार कर रहे हैं। न्यूज़ीलैंड का बेहतर प्रदर्शन यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका की वाइन के मुकाबले आयातकों के शेल्फ स्पेस और प्रचार बजट के आवंटन को प्रभावित कर सकता है। इससे उन वितरकों की व्यापक योजना पर भी असर पड़ सकता है जो वाइन के साथ बीयर और स्पिरिट्स का कारोबार करते हैं और अलग-अलग श्रेणियों में बदलती उपभोक्ता मांग के अनुसार ढलने की जरूरत है।

ये आंकड़े wine.co.za की रिपोर्ट में प्रकाशित किए गए और इन्हें New Zealand Winegrowers की ताज़ा सालाना रिपोर्ट के आंकड़ों पर आधारित बताया गया। लेख के मुताबिक, वाइन उत्पादकों के लिए मुश्किल हालात के बावजूद उद्योग का निर्यात मूल्य NZ $2.108 अरब तक पहुंच गया।

आने वाले महीनों में 2026 की छोटी फसल पर भी करीबी नज़र रखी जा सकती है, क्योंकि इससे संकेत मिलता है कि कमजोर बाजार में उत्पादक केवल मात्रा बढ़ाने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। मांग के अधिक अनुरूप कम फसल से भंडार पर दबाव घटाने में मदद मिल सकती है, हालांकि प्रमुख निर्यात बाजारों में मांग उम्मीद से तेज़ी से सुधरने पर इससे लचीलापन भी सीमित हो सकता है।

ताज़ा नतीजे कई वाइन उद्योगों के सामने मौजूद मिली-जुली परिस्थितियों को रेखांकित करते हैं: निर्यात मांग खत्म नहीं हुई है, लेकिन वृद्धि कमजोर खपत के रुझानों और उत्पादन को लेकर अधिक सतर्क फैसलों के साथ हो रही है। न्यूज़ीलैंड के मामले में, आंकड़े दिखाते हैं कि जून में समाप्त वर्ष के दौरान निर्यात बढ़ता रहा, जबकि काफी छोटी विंटेज के बाद क्षेत्र ने आपूर्ति घटाई।